चीनियों द्वारा नाथूला के निकट सैनिक कार्यवाहियों में वृद्धि

3519. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **प्रतिरक्षा** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चीनियों ने नवम्बर, 1969 में नाथूला के निकट अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि चीनी सैनिकों ने उस क्षेत्र में नये प्रकार की चौकियां स्थापित की हैं ; और

(ग) सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

प्रतिरक्षा मन्त्री और इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) और (ख). चुम्बी घाटी में नाथुला के पार चीनी अपनी यथापूर्व शक्ति में विद्यमान हैं। कुछ गत मासों में चीनी बंकरों, बैरकों, भण्डार सुविधाओं इत्यादि का निर्माण करते हुए सीमा के पार सैनिक स्थानों को मिलाने के लिए सड़कों का निर्माण और सुधार करते रहे हैं।

(ग) सीमा पर अपनी सुरक्षा सेनाओं की सतर्कता जारी है।

Export of Powerloom Silk in the name of Handloom

3520. SHRI MURASOLI MARAN :
SHRI MAYAVAN :
SHRI KAMALANATHAN :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that the powerlooms silk is exported to some countries in the name of handloom ;

(b) whether it is a fact that even a cooperative institution is indulging in this malpractice ; and

(c) if so, the action proposed to be taken by Government to check this malpractice which will adversely affect the handloom sector ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI RAM SEWAK) : (a) and (b). No such instance has come to the notice of the Government.

(c) Does not arise.

भारतीय सेना में ईसाइयों के लिये विदेशी धर्मप्रचारक

3521. **श्री जगन्नाथराव जोशी** : क्या **प्रतिरक्षा** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान मराठी मासिक पत्रिका 'वसन्त' (बम्बई) के सितम्बर 1969 के अंक में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि भारतीय सेना में ईसाइयों के लिये विदेशी मिशनों से धर्मप्रचारकों की प्रतिनियुक्ति सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है और विदेशी धर्मप्रचारकों के स्थान पर भारतीय राष्ट्रीय चर्च से धर्मप्रचारक प्रतिनियुक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिये ;

(ख) इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या विदेशी मिशनों के धर्मप्रचारकों के स्थान पर भारतीय राष्ट्रीय चर्च से धर्मप्रचारक प्रतिनियुक्त करने की अनुमति दी जायेगी ; और

(घ) यदि हां, तो कब और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्री और इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) से (घ). सरकार ने समाचार पत्रों में यह मद नहीं देखी। स्थिति यह है कि 120 या उससे अधिक किसी धर्म विशेष में आस्था रखने वालों की संख्या सहित यूनिटों द्वारा किसी धर्म विशेष का धर्मशिक्षक नियुक्त किया जा सकता है। जहां नियमित आधार पर धर्मशिक्षक नियुक्त किया जाना संभव नहीं होता, स्वैच्छिक आधार पर किसी निकटस्थ शहर से, मास में अधिकाधिक चार बार भ्रमण के लिए किसी प्रत्यासित असैनिक धर्मशिक्षक की सेवाएं ग्रहण की जा सकती हैं। इस आधार पर स्थानीय किसी गिरजाघर